(ग) मार्ग में कुछ खण्डों पर अतिरिक्त लाइन क्षमता की कमी।

(घ) सवाल नहीं उठता।

दिल्ली से सीधी आसाम जाने वाली रेल-गाड़ियां

7117. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री चन्द्र शेखर सिंह :
श्री भोगेन्द्र झा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सैनिकों के आने-जाने के लिये दिल्ली से सीधी आसाम को कोई भी रेलगाड़ी नहीं जाती है ;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली-आसाम रेलगाड़ियों में सैनिक तथा असैनिक यात्रियों की बहुत भीड़ भाड़ के कारण यात्रा करने वाली आम जनता तथा सैनिकों को बहुत परेशानी तथा असुविधा होती है ; और

(ग) यदि हां, तो दिल्ली से सीधी गौहाटी जाने वाली रेलगाड़ियां न चलाने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख) : दिल्ली और असम के स्टेशनों के बीच केवल सैनिकों को ले जाने के लिए कोई नियमित गाड़ी उपलब्ध नहीं है। जब कभी सैनिक प्राधिकारियों द्वारा मांग की जाती है तो सैनिकों के लिए स्पेशल गाड़ियां चलायी जाती हैं। लेकिन दिल्ली और असम के स्टेशनों के बीच यात्रा करने वाले नागरिकों और सैनिकों के लिए बरौनी होकर जाने वाली बी०पी० 86।एम०जी० 3 और एम० जी० 4।बी० जी० 85 असम डाक गाड़ियां और लखनऊ होकर जाने वाली बी० जी० 30 और 84।एम०जी० 2 ए०टी डाक और एम० जी० 1 ए० टी० डाक। बी० जी० 29 और 83 गाड़ियां मेल लेने वाली तेज गाड़ियों के रूप में सुलभ हैं। इन गाड़ियों में कुछ भीड़ होती है।

(ग) मार्ग के कुछ खण्डों पर अतिरिक्त लाइन क्षमता की कमी।

पलेजाघाट में रेलवे टिकटों का वितरण

7118. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री भोगेन्द्र झा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पटना को जाने वाले यात्रियों की भारी संख्या को दृष्टि में रखते हुए सरकार का विचार पूर्वोत्तर रेलवे के पलेजा घाट रेलवे स्टेशन में टिकट घर खोलने का है ;

(ख) क्या सरकार को पता है कि यह सुविधान मिलने के कारण यात्रियों को बहुत कठिनाई हो रही है ; और

(ग) यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) : पलेजाघाट से पटना के आगे, जैसे दानापुर, गुलजारबाग, पटना सिटी आदि की ओर जाने वाले यात्रियों पलेजाघाट में टिकट खरीद सकते हैं। पलेजाघाट से केवल पटना जाने वाले व्यक्ति (जिसमें रेल यात्रा की जरूरत नहीं पड़ती) सार्वजनिक फेरी-व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं जो पलेजाघाट और पटना (महेन्द्र घाट) के बीच मौजूद है। उन्हें इस बात से असुविधा नहीं होनी चाहिये कि रेलवे फेरी व्यवस्था एक किनारे से दूसरे किनारे तक यात्री बुक नहीं करती है।